पाठ - 8 ऐसे ऐसे

कठिन शब्द

1. फ्लैट
2. तख्त
3. अड्डे
4. सिर्फ
5. थप्पड़
6. मुक्का
7. रुआँसा
8. प्रकोप
9. कब्ज
10. छुट्टी
11. दर्द
12. अट्टहास
13. बीमारियाँ
14. वैद्य

पाठ-3

शब्दार्थ

1 बेचैन - जिसे आराम न हो
2 अंटशंट - बेकार की चीज़ें
3 रट लगाना - बार-बार कहना
4 मुँह उतरना - उदास होना
5 हवाइयाँ उड़ना - घबरा जाना
6 बला - आफत
7 गुलजार - रौनक
8 नटखट - चंचल
9 रुआँसा - रोने की सूरत बनाकर
10 प्रकोप - बीमारी का बढ़ना
11 वात - वायु
12 टटोलकर खोजकर
13 हर्ष खुशी
14 रौनक चहल-पहल

पाठ - 8

एकांकी से

प्रश्न 'सड़क के किनारे एक सुंदर फ्लैट में बैठक का दृश्य। उसका एक दरवाजा सड़क वाले बरामदे में खुलता है। उस पर एक फोन रखा है।' इस बैठक की पूरी तस्वीर बनाओ।

उत्तर सड़क के किनारे एक सुंदर फ्लैट में बैठक का दृश्य। उसका एक दरवाजा एक दरवाजा सड़क वाले बरामदे में खुलता है। दूसरा कमरे में, तीसरा रसोईघर में। अलमारियों में पुस्तकें लगी हैं। एक ओर रेडियो का सेट है। दो और दो छोटे तख्त हैं। जिन पर गलीचे बिछे हैं। बीच में कुर्सियाँ हैं। एक छोटी मेज भी है। उस पर फोन रखा है। परदा उठने पर — मोहन एक तख्त पर लेटा है। आठ-नौ वर्ष के लगभग उम्र होगी उसकी। तीसरी कक्षा में पढ़ता है। इस समय बड़ा बेचैन जान पड़ता है। बार-बार पेट को पकड़ता है। उसके माता-पिता पास बैठे हैं।

प्र.2 माँ मोहन के 'ऐसे ऐसे' कहने पर क्यों घबरा रही थी?

उत्तर मोहन के ऐसे-ऐसे कहने पर माँ किसी अंजान बीमारी के खतरे की वजह से घबरा रही थी।

माँ को लग रहा था कि मोहन की तबियत बहुत ज्यादा खराब है वरना मोहन बहुत ही चंचल और नटखट बच्चा था। दूसरी तरफ माँ को उसकी बीमारी की वजह से का अंदाजा नहीं हो पा रहा था।

प्र.3 ऐसे कौन-कौनसे बहाने होते हैं जिन्हें मास्टर जी एक ही बार में सुनकर समझ जाते हैं? ऐसे कुछ बहानों के बारे में लिखो।

उत्तर वैसे तो बहाने भी वक्त के साथ बदलते रहते हैं। फिर भी कुछ बहानों को

- मैंने काम कर लिया था परंतु कापी लाना भूल गई।
- कल हमारे घर में बिजली नहीं थी।
- कल मैं बीमार थी।
- हमारे घर पर मेहमान आ गए थे। • मेरा इंटरनेट नहीं चल रहा था।

16/9/2020

पाठ - 8

अनुमान और कल्पना

प्र०१ स्कूल के काम से बचने के लिए मोहन ने कई बार पेट में ऐसे-ऐसे होने के बहाने बनाए। मान लो, एक बार उसे सचमुच पेट में दर्द हो गया और उसकी बातों पर लोगों ने विश्वास नहीं किया तब मोहन पर क्या बीती होगी?

उत्तर यदि सचमुच मोहन के पेट में दर्द हो जाए और लोग उसकी बातों पर विश्वास न करें, तब जाकर उसको पता चलेगा कि झूठ बोलने से क्या नुकसान होता है। उसे अपनी आदत पर पश्चाताप होगा और संभवतः वह भविष्य में कभी झूठ न बोलेगा।

प्र०२ पाठ में आए वाक्य – 'लोचा-लोचा फिरे हैं' के बदले 'ढीला-ढाला हो गया है' या कमज़ोर हो गया है' – लिखा जा सकता है। लेकिन, लेखक ने संवाद में विशेषता लाने के लिए बोलियों के ढंग-ढंग का उपयोग किया है। इस पाठ में इस तरह की पंक्तियाँ भी हैं, जैसे –

– इत्ती नयी-नयी बीमारियाँ निकली हैं,
– राम मारी बीमारियों ने तंग कर दिया,
– तेरे पेट में तो बहुत बड़ी दाढ़ी है।

अनुमान लगाओ, इन पंक्तियों को दूसरे ढंग से कैसे लिखा जा सकता है?

उ० – इतनी नयी-नयी बीमारियाँ निकली हैं।
– इन बीमारियों ने परेशान कर दिया है।
– तुम तो बहुत चालाक हो।

मान लो कि तुम मोहन की तबियत पूछने जाते हो। तुम अपने और मोहन के बीच की बातचीत को संवाद के रूप में लिखो।

उत्तर मैं - अरे मोहन! क्या हुआ ? कैसे हो भाई ?

मोहन - कुछ नहीं भाई। बस पेट में ऐसे ऐसे हो रहा है।

मैं - ऐसे कैसे ?

मोहन - लगा 'ऐसे ऐसे'।

मैं - डॉक्टर को दिखाया ?

मोहन - डॉक्टर को दिखाया और वैद्य जी की पुड़िया मिली है खाने को।

मैं - क्या कहा उन्होंने ?

मोहन - उन्होंने कब्ज और बदहजमी बताई है।

मैं - ठीक है, दवा खाओ और ठीक हो जाओ। कल से स्कूल खुल रहे हैं याद है न।

मोहन - हाँ, हाँ याद है।

मैं - अब मैं चलता हूँ। कल स्कूल जाते समय आऊँगा। अगर पेट ठीक हो जाए तो तुम भी तैयार रहना।

प्र०5 संकट के समय के लिए कौन-कौनसे नंबर याद रखने चाहिए ? ऐसे वक्त में पुलिस, फायर ब्रिगेड और डॉक्टर से तुम कैसे बात करोगे? कक्षा में करके बताओ।

उत्तर - संकट के समय के लिए पुलिस स्टेशन का नंबर 100 फायर ब्रिगेड का नंबर 101 एंबुलेंस बुलाने का नंबर है 102 तथा 1090 महिला सुरक्षा के लिए याद रखना चाहिए। यदि कोई दुर्घटना या चोरी मारपीट हो जाए तो शीघ्र ही पुलिस स्टेशन का 100 नंबर

डायल करके बुला लेना चाहिए।

ऐसा होता तो क्या होता...

मास्टर - "स्कूल का काम तो पूरा कर लिया है?"
(मोहन हाँ में सिर हिलाता है।)

मोहन - जी, सब काम पूरा कर लिया है।

उत्तर - इस स्थिति में नाटक का अंत क्या होता? लिखो।
ऐसी स्थिति में मास्टर जी समझ जाते कि मोहन बहाना नहीं कर रहा है। सचमुच पेट में दर्द है। वे मोहन के माता-पिता को उसका ठीक तरह से इलाज कराने की सलाह देते। मोहन के माता-पिता उसका इलाज कराते और उसका ध्यान रखते।

भाषा की बात

(क) मोहन ने केला खाया और संतरा खाया।
(ख) मोहन ने केला और संतरा नहीं खाया।
(ग) मोहन ने क्या खाया।
(घ) मोहन केला और संतरा खाओ।

उत्तर क) मोहन ने केला और संतरा खाया साधारण वाक्य है।
ख) मोहन ने केला और संतरा नहीं खाया निषेधात्मक वाक्य है।
ग) मोहन ने क्या खाया? प्रश्नवाचक वाक्य है।
घ) मोहन केला और संतरा खाओ। आदेशात्मक वाक्य है।

1. बताना - रुचि ने कपड़े अलमारी में रखे हैं।
2. नहीं। मना करना - रुचि ने कपड़े अलमारी में नहीं रखे हैं।
3. क्या रुचि ने कपड़े अलमारी में रखे?
4. आदेश देना - रुचि कपड़े अलमारी में रखो।